केमिली और सूरजमुखी

विन्सेंट वैन गॉग की कहानी

लॉरेंस एनहोल्ट

हर दिन स्कूल से घर जाते समय, केमिली को सूरजमुखी के खेत में से गुज़ारना पसंद था. फिर एक दिन, एक अजनबी गांव में आया - एक असामान्य पुआल की टोपी पहने उस आदमी की एक चमकदार पीली दाढ़ी थी. केमिली के पिता ने देखा कि वह आदमी बहुत गरीब था. "चलो हम उसकी मदद करते हैं," केमिली के पिता ने कहा.

उन्होंने अपने नए दोस्त के लिए बर्तन और फर्नीचर और अन्य सामान एक गाड़ी में लादा. केमिली ने फैसला किया कि वो कुछ अतिरिक्त रखेगा - सूरजमुखी के ताज़ा फूलों का एक गुच्छा जो अभी-अभी उसने खेत से तोड़े थे. केमिली को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वे फूल जल्द ही एक महान कलाकृति को प्रेरित करेंगे.

केमिली और सूरजमुखी

विन्सेंट वैन गॉग की कहानी

जहां केमिली रहता था, वहां सूरजमुखी के पौधे

इतने ऊंचे थे कि वे असली सूरज की तरह लगते थे.

जलते हुए पीले सूरज का एक पूरा खेत.

हर दिन स्कूल के बाद केमिली सूरजमुखी के खेतों में से होकर अपने पिता के पास आता था. उसके पिता एक डाकिए थे, और वे चिट्ठी-पत्रों की भारी बोरियां उठाते थे.
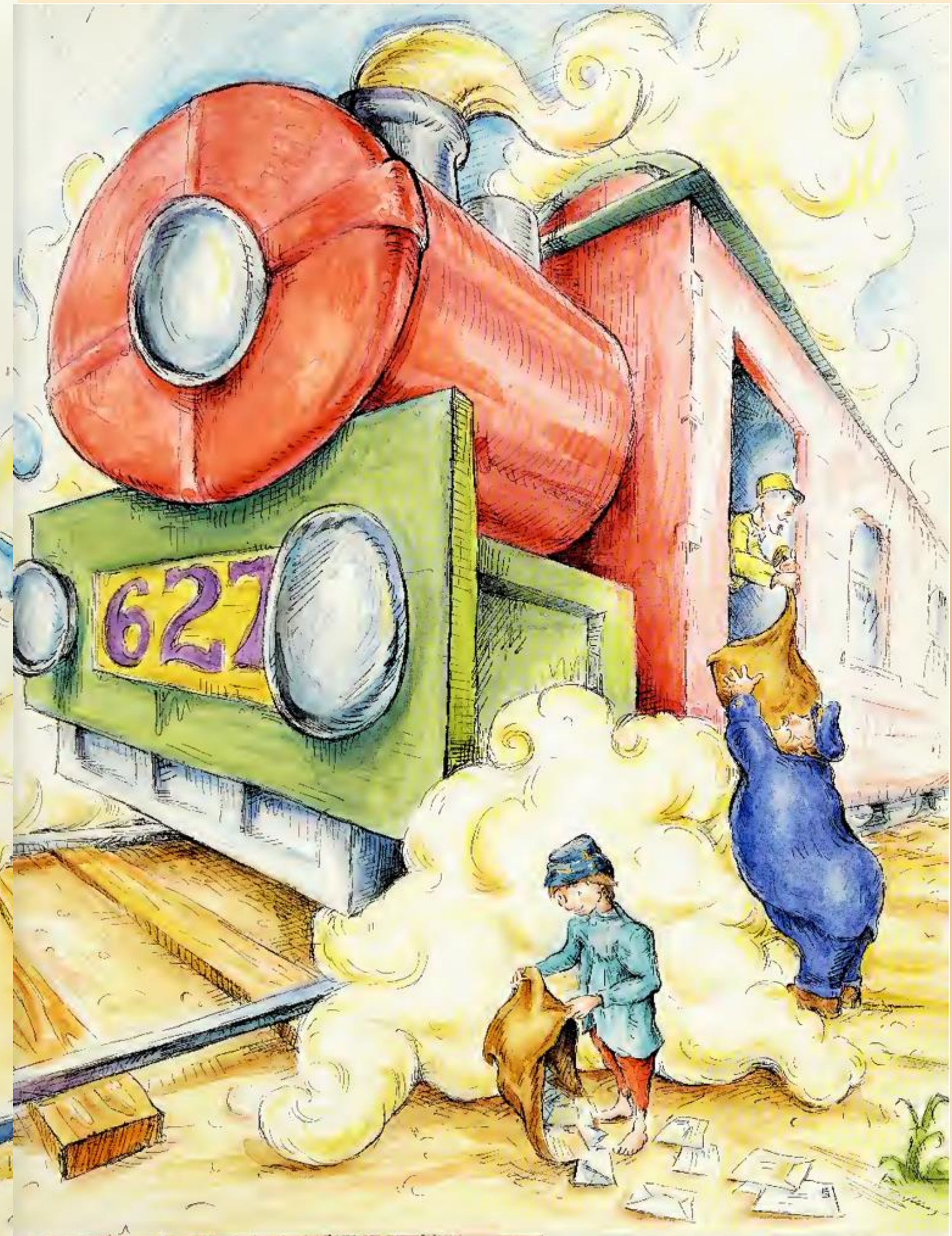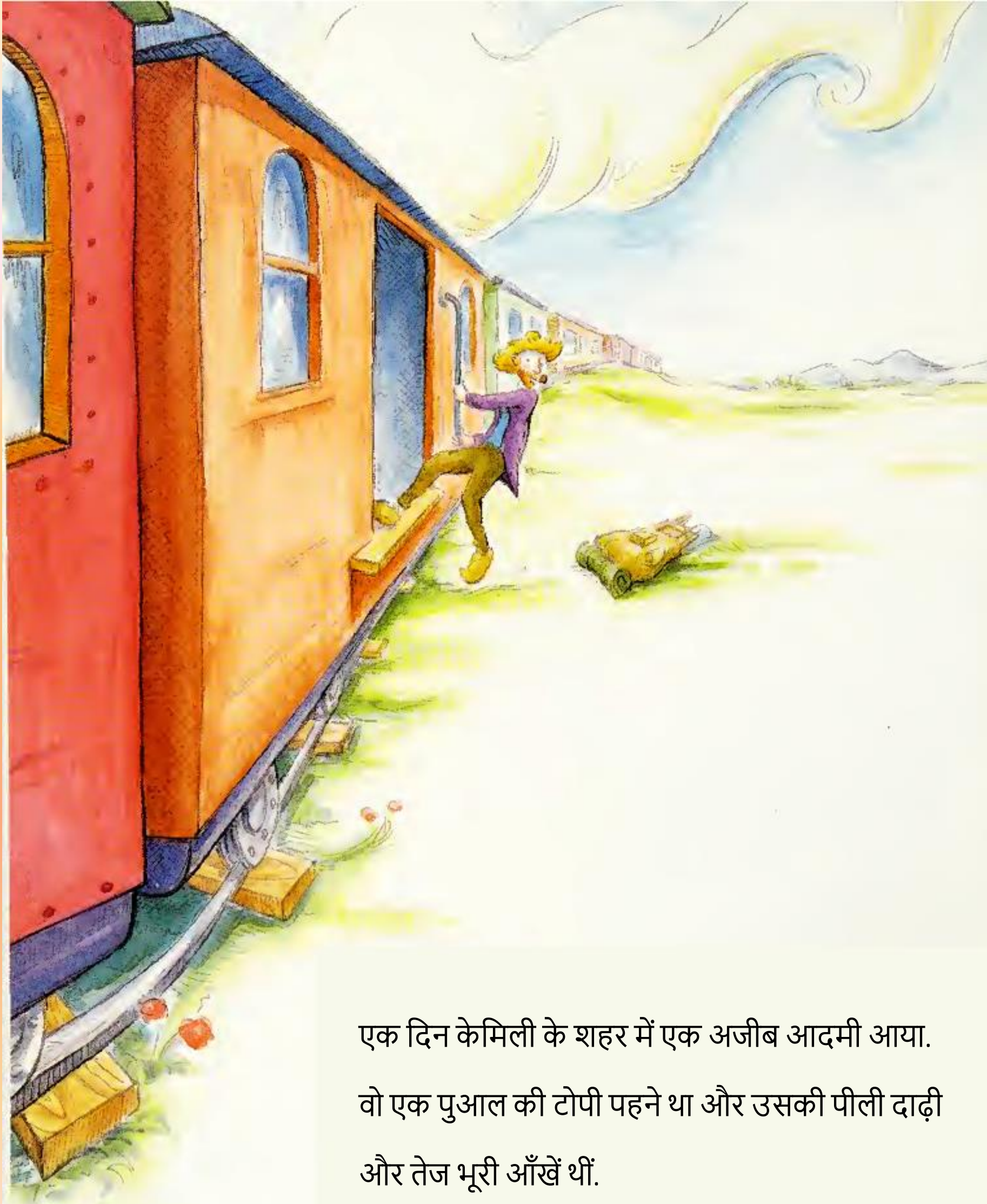
एक दिन केमिली के शहर में एक अजीब आदमी आया.

वो एक पुआल की टोपी पहने था और उसकी पीली दाढ़ी

और तेज भूरी आँखें थीं.

"मैं विंसेंट, चित्रकार हूँ," उसने केमिली की ओर मुस्कुराते हुए कहा.

विंसेंट, केमिली की गली के अंत में पीले वाले घर में रहने आया था.

उसके पास न तो पैसे थे और न उसके कोई दोस्त थे.

"चलो, हम उसकी मदद करते हैं," केमिली के पिता ने कहा.

इसलिए, उन्होंने गाड़ी में बर्तन, फर्नीचर और कुछ सामान लादा.

वे उसे विंसेंट को देना चाहते थे.

केमिली ने चित्रकार के लिए सूरजमुखी के फूलों का एक बड़ा गुच्छा बनाया, और उसने उसे एक बड़े भूरे रंग के बर्तन में रख दिया.

विन्सेंट को जब दो अच्छे दोस्त मिले तो वो बहुत खुश हुआ.

केमिली ने देखा तो उसके पिता का चेहरा कैनवास पर जादू की तरह लग रहा था.

तस्वीर कुछ अजीब थी लेकिन वो बहुत खूबसूरत थी.

विंसेंट ने केमिली के पिता से पूछा कि क्या वो अपनी सबसे अच्छी नीली वर्दी पहने हुए अपनी तस्वीर बनवाना चाहेंगे.

"पर आपको बहुत शांत बैठना होगा," विंसेंट ने कहा.

केमिली को विंसेंट द्वारा इस्तेमाल किए गए चमकीले रंग और उसके पेंट की तेज गंध पसंद आई.

विन्सेंट ने कहा कि वह पूरे परिवार

के चित्र बनाना चाहता था.

केमिली की माँ,

उसका बड़ा भाई,

उसकी छोटी बहन....

और अंत में, केमिली का खुद.

केमिली बहुत उत्साहित था - उसकी कभी किसी ने कैमरे से

भी तस्वीर नहीं खींची थी.

केमिली अपनी पेंटिंग स्कूल लेकर गया.

वो चाहता था कि हर कोई उसे देखे.

लेकिन बाकी बच्चों को वो तस्वीर पसंद नहीं आई.

उसे देख, वे सब हंसने लगे.

इससे केमिली को बहुत दुख हुआ.

स्कूल के बाद कुछ बड़े बच्चे विन्सेंट को चिढ़ाने लगे,

जब वह पेंट करने निकला तो वे उसके पीछे-पीछे दौड़े.

बड़े भी इसमें शामिल हो गए. उन्होंने कहा, "देखो, तुम्हें कोई असली नौकरी करनी चाहिए. पूरे दिन पेंट के साथ खेलने से ज़िंदगी नहीं चलेगी."

विंसेंट का काम देखते हुए केमिली घंटों बैठा रहता था.

गर्मी बहुत थी लेकिन विन्सेंट तेजी से काम करता था.

उसने सूरजमुखी के खेतों और यहां तक कि सूर्य के भी चित्र बनाए.

"वो सूरजमुखी-आदमी है," केमिली ने खुद से कहा.
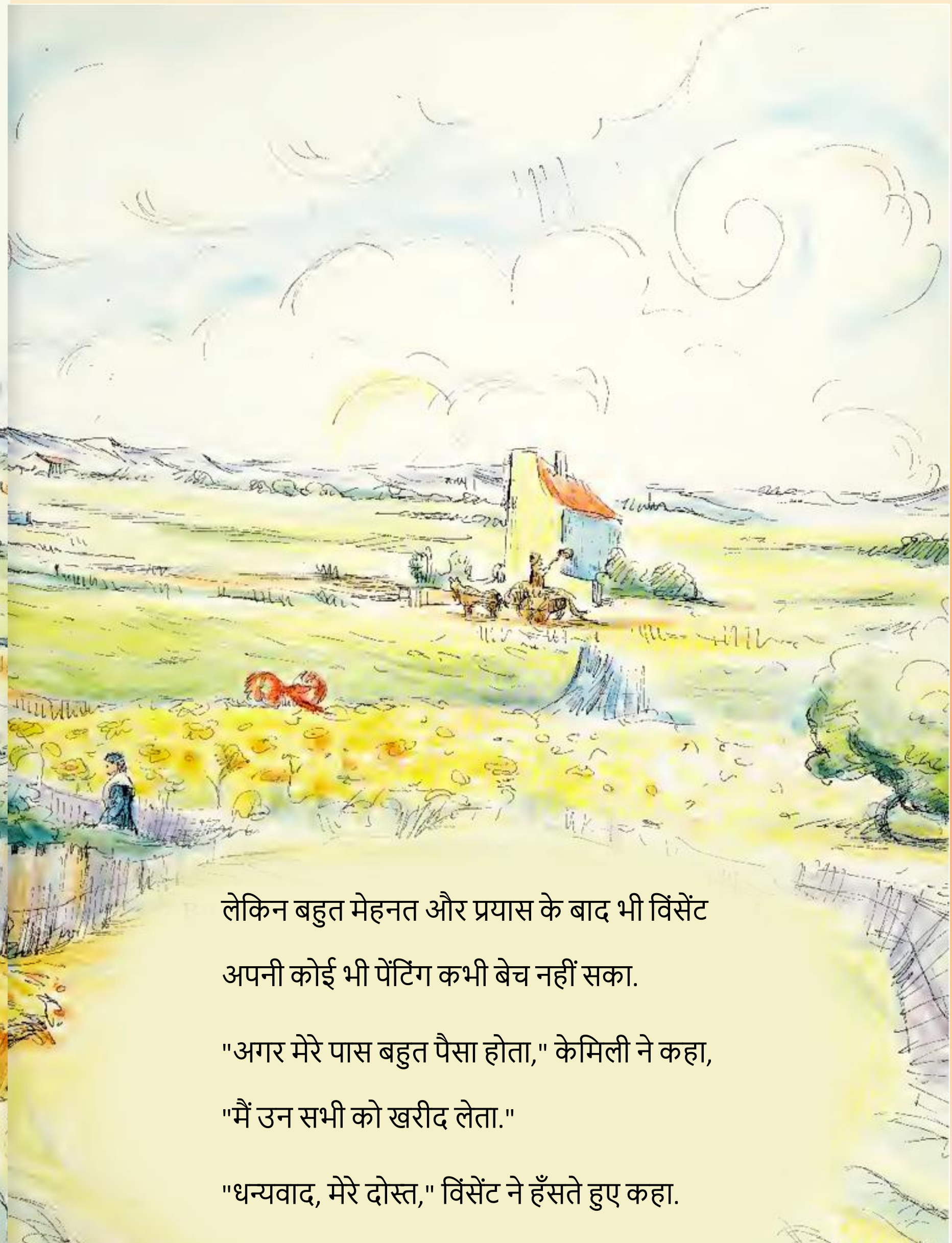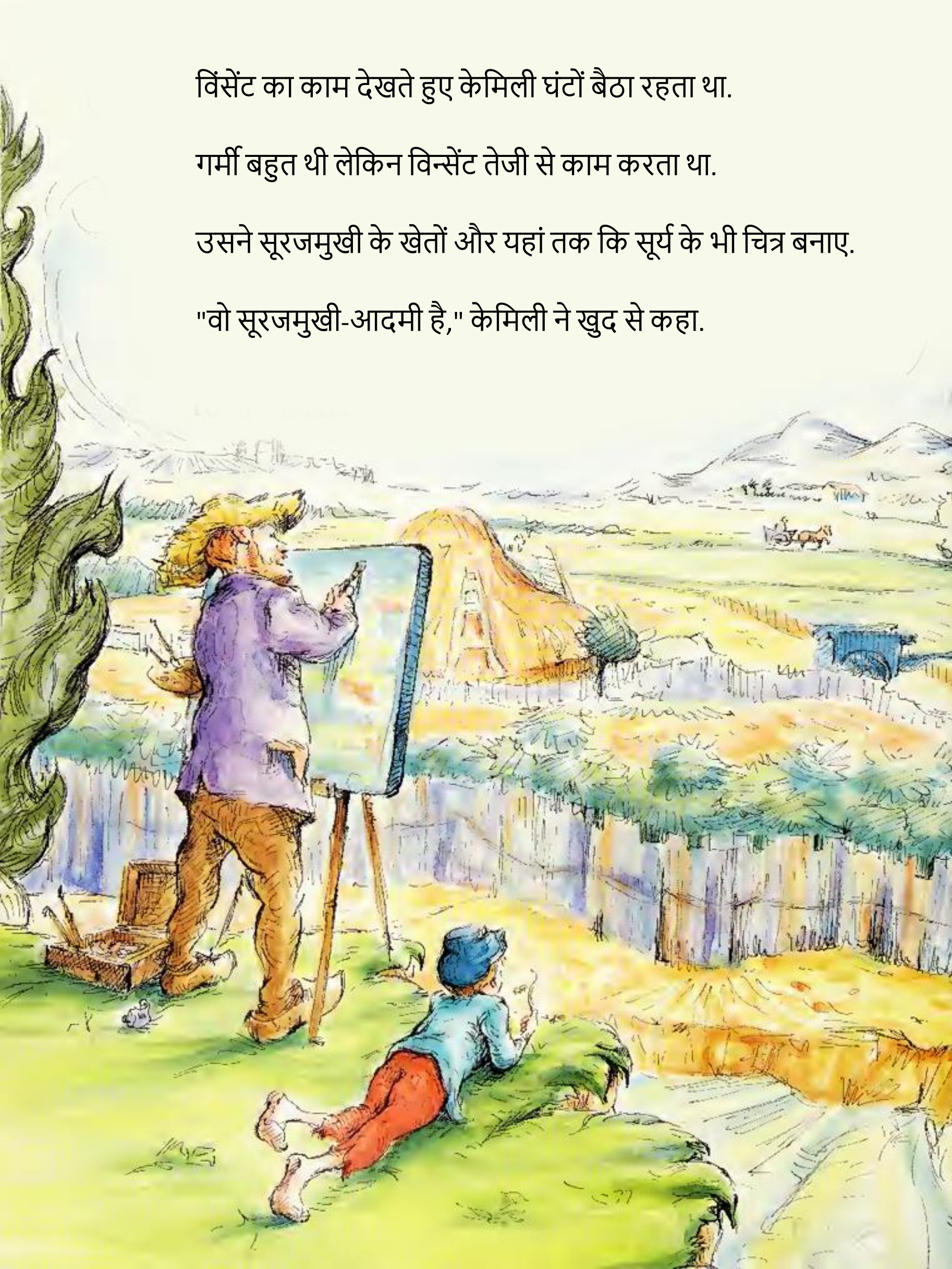
लेकिन बहुत मेहनत और प्रयास के बाद भी विंसेंट अपनी कोई भी पेंटिंग कभी बेच नहीं सका.

"अगर मेरे पास बहुत पैसा होता," केमिली ने कहा, "मैं उन सभी को खरीद लेता."

"धन्यवाद, मेरे दोस्त," विंसेंट ने हँसते हुए कहा.
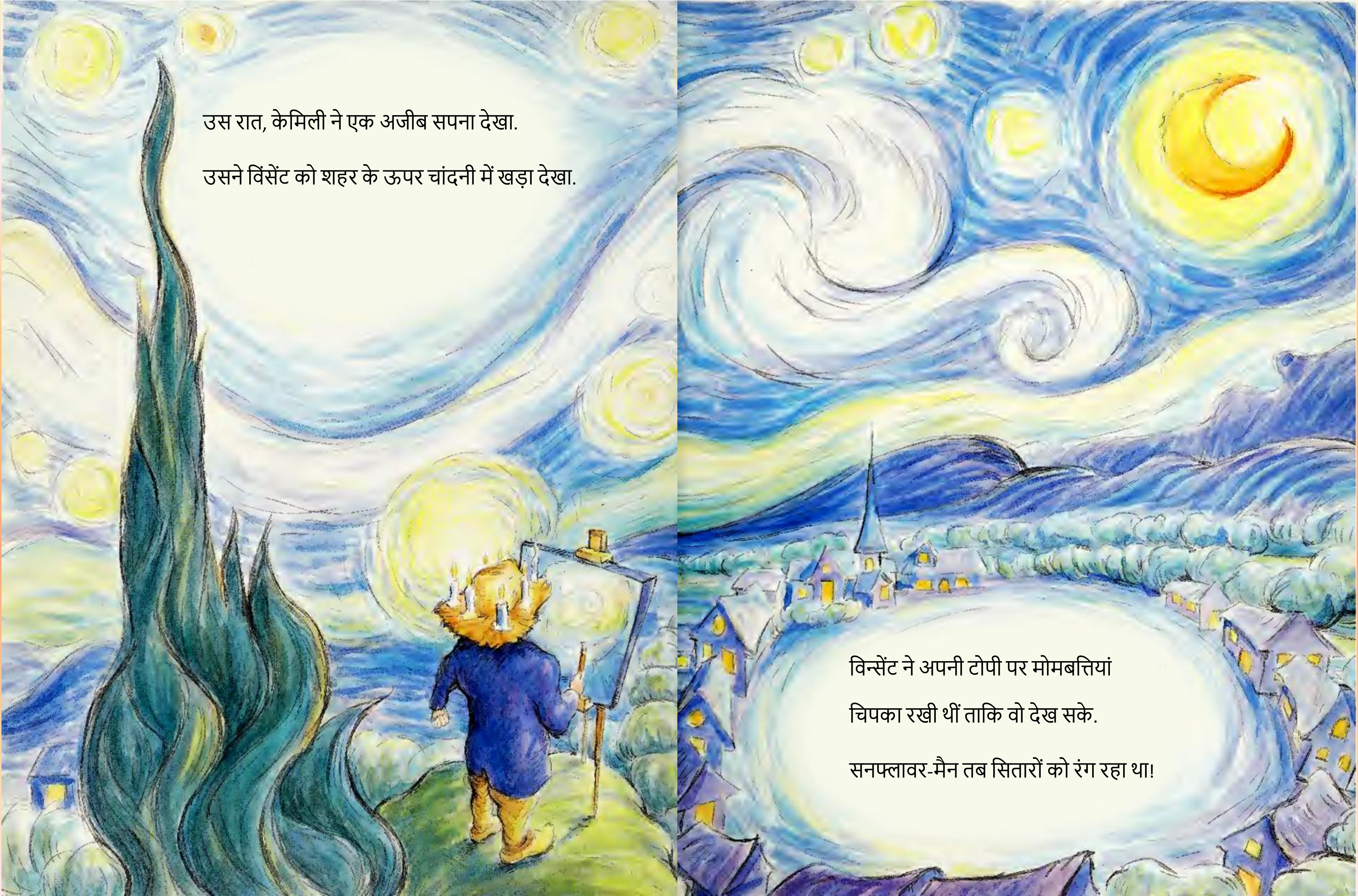
एक दोपहर, जब केमिली और विंसेंट खेतों से वापस आ रहे थे,

केमिली के स्कूल के कुछ बच्चे इंतजार कर रहे थे.

वे विन्सेंट पर चिल्लाए और उन्होंने उस पर पत्थर फेंके.

केमिली चाहता था कि वे रुकें - लेकिन वो भला क्या कर सकता था?

वो केवल एक छोटा लड़का था. अंत में वो रोता हुआ घर भागा.

"सुनो, केमिली," उसके पिता ने कहा, "लोग अक्सर उन चीजों

पर हंसते हैं जो अलग होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वे

एक दिन ज़रूर विन्सेंट के चित्रों से प्यार करना सीखेंगे."

उस रात, केमिली ने एक अजीब सपना देखा.

उसने विंसेंट को शहर के ऊपर चांदनी में खड़ा देखा.

विन्सेंट ने अपनी टोपी पर मोमबत्तियां

चिपका रखी थीं ताकि वो देख सके.

सनफ्लावर-मैन तब सितारों को रंग रहा था!

अगली सुबह, दरवाजे पर जोर से दस्तक से केमिली जाग गया.

शहर के कुछ लोग उसके पिता से मिलने आए थे.

"सुनो, डाकिए," उन्होंने कहा, "हम चाहते हैं कि आप यह पत्र अपने मित्र को दें. पत्र के अनुसार उसे अपने पेंट पैक करके हमारे शहर को छोड़कर चले जाना चाहिए."

केमिली पिछले दरवाजे से खिसक कर बाहर निकला.

वो सड़क पर दौड़ता हुआ नीचे पीले घर की ओर भागा.

अंदर सब कुछ बहुत शांत लग रहा था.

तब केमिली ने देखा कि उसने विंसेंट के लिए जो सूरजमुखी के फूल चुने थे - वे सभी सूखकर मर गए थे.

केमिली पहले से कहीं ज्यादा दुखी महसूस कर रहा था.

विन्सेंट ऊपर अपना बैग पैक कर रहा था. वो बहुत थका हुआ लग रहा था लेकिन वो केमिली को देखकर मुस्कुराया.

"दुखी मत हो," विंसेंट ने कहा. "अब मेरे लिए कहीं और जाकर पेंट करने का समय आ गया है. शायद वहां के लोगों को मेरी पेंटिंग पसंद आएँ."

"लेकिन मेरे पास तुम्हें दिखाने के लिए कुछ है...

फिर विन्सेंट ने एक बड़ी तस्वीर उतारी.

उस पर केमिली के सूरजमुखी चित्रित थे,

पहले से कहीं ज्यादा बड़े और चमकीले!

केमिली ने उस पेंटिंग को देखा. फिर वो भी मुस्कुरा दिया.

"अलविदा, सूरजमुखी-आदमी," वो फुसफुसाया,

और फिर वो पीले घर से निकलकर धूप में भाग गया.

केमिली के पिता सही थे. लोगों ने विन्सेंट के चित्रों से प्यार करना सीखा. अगर आज आप उसका कोई चित्र खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपके पास बहुत सारा पैसा होना चाहिए. लेकिन अब दुनिया भर के लोग संग्रहालयों और म्यूजियम में जाते हैं, केवल विंसेंट के "द येलो हाउस", केमिली और उसके परिवार के चित्रों को देखने के लिए. लोग विशेष रूप से "द सनफ्लॉवर" का चित्र देखने जाते थें - जो इतने चमकीले और पीले हैं कि वे असली सूरज की तरह दिखते हैं.
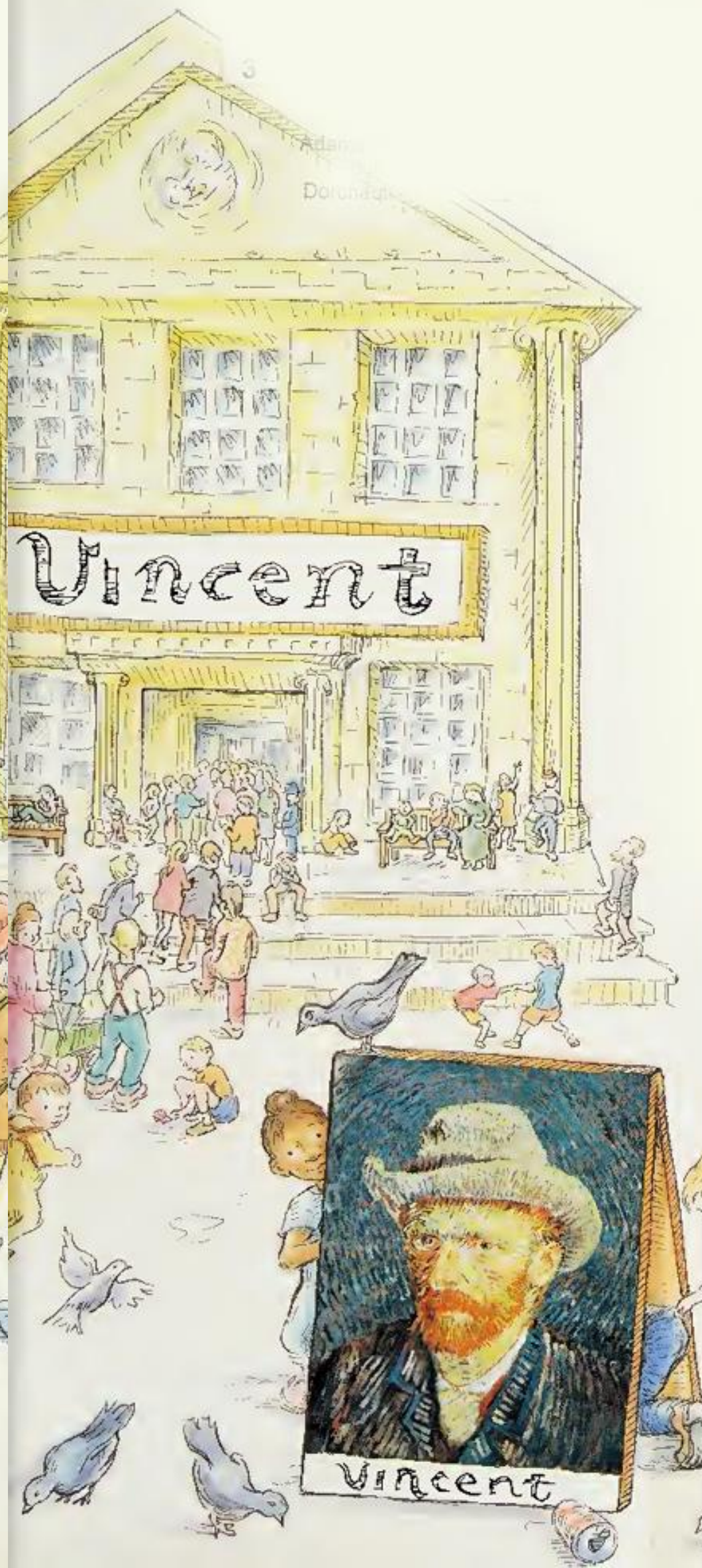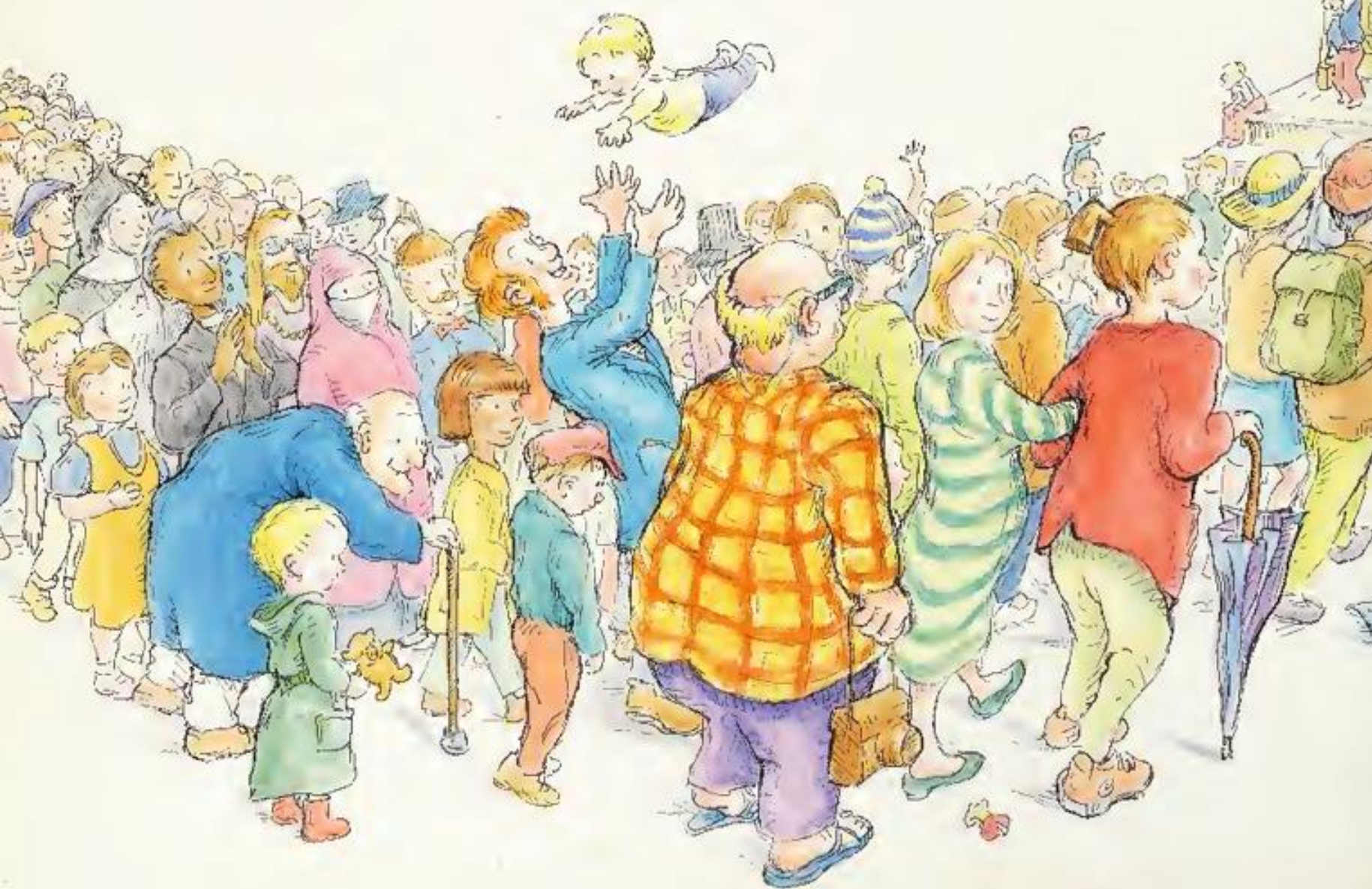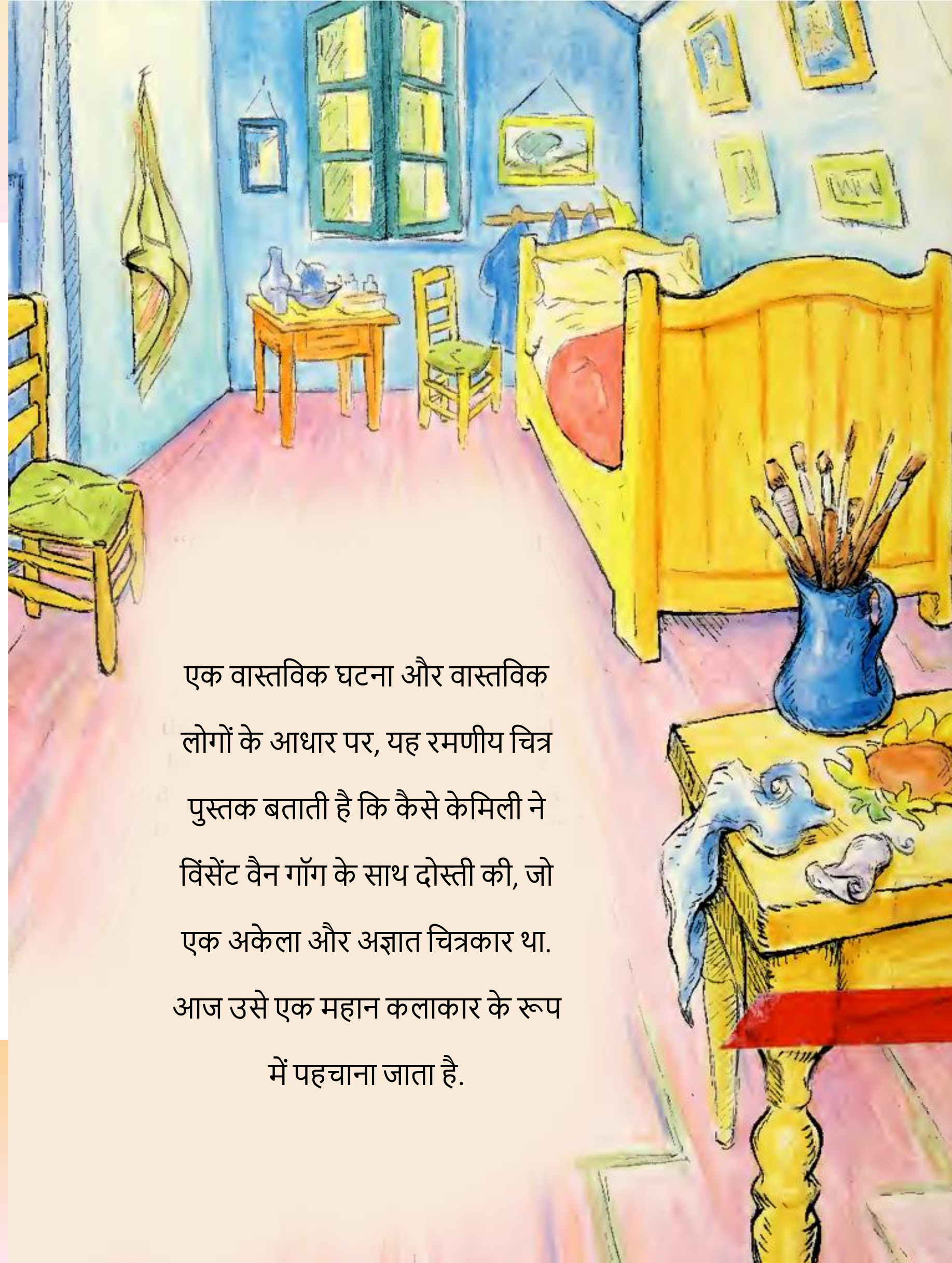
एक वास्तविक घटना और वास्तविक लोगों के आधार पर, यह रमणीय चित्र पुस्तक बताती है कि कैसे केमिली ने विंसेंट वैन गॉग के साथ दोस्ती की, जो एक अकेला और अज्ञात चित्रकार था. आज उसे एक महान कलाकार के रूप में पहचाना जाता है.